निवाला

एक कोशिश

स्मारिका – वर्ष 1, अंक–2, जून 2017

जीतू कंवर

हमारे भारतीय समाज में महिलाओं के प्रति उपेक्षित नजरिया रहा है। आज के दोर में स्थिति तब और बदतर हो जाती है जब कोई लड़की शारीरिक रूप से असक्षम हो तो परिवार और समाज उसे तिस्कृत करता है।

राजस्थान की जीतू कंवर एक ऐसा उदाहरण है जिसने समाज में शारीरिक रूप से दिव्यांग लड़कियों के प्रति सबका नजरिया बदल दिया। इरादे बुलंद हो और परिवार का साथ हो तो मुश्किल से मुश्किल बात भी आसान हो जाती है। जोधपुर की बालेसर तहसील के छोटे से गांव खुड़ियाला की दिव्यांग लड़की जीतू कंवर भाटी ने पैरा ओलपिंक खेलो में टी 36 श्रेणी दौड़ में 100 मीटर के लिए गोल्ड और 200 मीटर के लिए सिल्वर मेडल जीता।

तीन वर्ष की आयु में इनके माता पिता को उनकी सेरेवल पोल्सी बीमारी के बारे में पता चला। इस बिमारी के चलते इनके शरीर की नसो में खिंचाव रहता है तथा बोलने में काफी दिक्कतो का सामना करना पड़ता है। इनके शरीर का 40 फीसदी हिस्सा बिमारी से ग्रसित है। जब इरादे बुलंद हो तो प्रत्येक बाधा को पार किया जा सकता है। पढ़ाई में हमेंशा अव्वल रही जीतू ने खेल के मेदान में भी अपना परचम लहराया गांव का ही नही देश का भी नाम रोशन किया। अथक परिश्रम सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक लगातार दौड़ने का अभ्यास जारी रखा और महज 6 महीने की तैयारी से 2016 में स्टेट पैरा स्पोट्स प्रतियोगिता में 400 मीटर में गोल्ड और 200 मीटर में सिल्वर तथा इसी में 100 मीटर रेस में सिल्वर मेड़ल जिता। स्टेट लेवल पर मेड़ल जीतने के बाद 3 अप्रैल 2017 में जयपुर में ओयोजित राष्ट्रीय पैरा एथलीट मे 100 मीटर रेस 24 सैकण्ड मे पुरी कर गोल्ड मेडल जीता।

23 वर्षीय जीतू कंवर आज उन सब लड़कीयों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है जो शारीरिक रूप से असक्षम है या जिनके पास साधनों की उपलब्धता नहीं है। अगर कुछ कर गुजरने का जज्बा है और लक्ष्य स्पष्ट है तो राहें खुद ब खुद बन जाती है।

पंखुडियाँ इस पुष्प की

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट
निवाला एक कोशिश
स्मारिका - वर्ष 1, अंक-2, जून 2017

प्रार्थना (Vedic Prayer)

धन की तीन गतियां

दान भोगों नाशस्तिस्त्रों,
गतयो भवन्ति विन्तस्या
यो न ददाति न भुङ्क्ते,
तस्य तृतीयागति भवति।।

**"Money can have only three States
Charity, Enjoyment or Loss.
One who neither donates nor enjoys
with his money, his money
ends up in the third state."**

दान, भोग और नाश धन की यह तीन गतियां ही होती है
जो न दान देता है
और न भोग करता है,
उसके धन की तीसरी गति ही होती है।।

संरक्षक व प्रधान सम्पादक:
देवेन्द्र शर्मा

मुख्य सम्पादक
सुरेन्द्र कुमार शर्मा

सम्पादन
सुनील माथुर

सह-सम्पादक
मदन चौधरी

ग्राफिक डिजाईनर
हिमांशु जाँगिड़

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ सं.	विषय	पृष्ठ सं.
बेटियाँ	2	आगामी सेवा प्रकल्प - किचन उपकरणों की सूची	15
पंखुडियाँ इस पुष्प की	3	समाज की नजर में	16
अपनों से अपनी बात	4	श्रीमद भगवद गीता	17
कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट, एक नज़र में	5	प्रेरणादायक कहानियाँ	18
कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट	6	सहयोगी हाथ	19
तात्कालिक सेवा प्रकल्प - निवाला	7	संस्था के भामाशाह	20
तात्कालिक सेवा प्रकल्प - सँवारे बचपन	8	स्वयंसेवक	21
तात्कालिक सेवा प्रकल्प - प्रतिक्षित बालिकाएँ	9	कार्यकारणी	22
तात्कालिक सेवा प्रकल्प - नैत्र शिविर	10	सहयोग अपेक्षा	23
तात्कालिक सेवा प्रकल्प - सफाई अभियान	11	अख़बार की नज़र से	24
तात्कालिक सेवा प्रकल्प - परिड़ा अभियान	12	श्रद्धांजलि	25
आगामी सेवा प्रकल्प - निवाला सेवा आश्रम	13	पत्रिका सहयोगी	26
आगामी सेवा प्रकल्प - निवाला किचन	14	संगीतकार विश्व मोहन भट्ट	27

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट
नई राह - नई दृष्टि..!, ज्ञान वही - वही सृष्टि..!!

रजि ऑफिस : जी 1, कृष्णा विला, प्लाट न :113, आदिनाथ नगर, सिरसी रोड़ जयपुर - 302012 (राज.)
ब्रांच ऑफिस : 155, माँ हिंगलाज नगर-बी, गाँधीपथ रोड़ पश्चिम, वैशाली नगर, जयपुर-302021 (राज.)
+91-7231-8888-00 / 11 / 22 / 33
info@kbctindia.org https://www.facebook.com/KamlabaiCharitableTrust
www.kbctindia.org | YouTube kbct

पूज्यनीय पिताश्री स्व.श्री राधेश्याम जी शर्मा के पावन स्मृति में

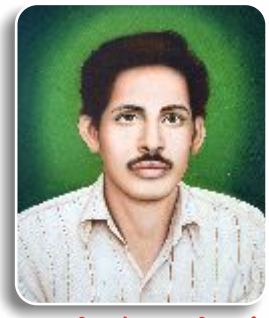

स्व. श्री राधेश्याम जी शर्मा

मेरे पिताजी हमेशा मुझे मेरी शक्ति का अनुमान कराने का प्रयास किया करते थे। वो हमेशा मुझे कहते थे कि मनुष्य की आत्मा के भीतर अन्नत शक्ति भरी पड़ी है। मनुष्य को उसका ज्ञान हो या ना हो। उसे केवल जानने की ही अपेक्षा है और वो दिन अवश्य ही आयेगा। जब तुम अपनी अन्नत शक्ति के पूर्ण ज्ञान के साथ अपने पैरों पर खड़े होंगे।

आपके स्नेहशील आशीर्वाद की छत्रछाया में
आपका सुपुत्र
देवेन्द्र शर्मा

देवेन्द्र शर्मा (संस्थापक)

जय श्री कृष्णा...

21 रू. और एक आदमी के लिए, एक वक्त की रोटी, इस विचार के साथ संस्था ने ''निवाला योजना'' का आरम्भ किया था जहां प्रतिदिन सवाई मान सिंह अस्पताल के बांगड़ परिसर में 100 जरूरतमंदों को भोजन करवाया जा रहा है। अब इस 100 अंकों की सीमा को बढ़ाकर अनन्त तक ले जाने का प्रयास जारी है, परन्तु बात यहीं समाप्त नहीं होती है, भुख तो पहली जरूरत है, दुसरी जरूरत हैं 'शिक्षा' जिसके अभाव में लोग अपने आप को सुदृढ नही बना पाते और अन्ततः या तो भुखे मरते है या चोरी लुट पाट कर अपना पेट भरते है जिससे समाज का वातावरण प्रभावित होता है। शिक्षा को लेकर विचार चल रहा है कि अगर एक लडके को शिक्षित किया जाता है तो सिर्फ एक पुरूष को ही शिक्षा प्राप्त होती है, लेकिन एक बालिका को शिक्षित किया जाता है तो पूरा कुल शिक्षित होता है क्योंकि एक स्त्री का रिश्ता सिर्फ एक ही घर से नहीं होता.... वो दुसरे घर में भी जाती है, विवाह से पहले अपने माता-पिता, भाई-बहन और विवाह के पश्चात् उसके दायित्व दोनों परिवारों के लिए होते है अगर वो शिक्षित होती है तो एक पीढ़ी शिक्षित होती है। स्त्री का महत्व सबसे अधिक बताया गया है, मैं भी यही मानता हूँ क्योंकि मेरे पूज्य नीय पिताजी के स्वर्गवास के बाद मेरी मां ने ही हमें पढ़ाया-लिखाया और अच्छे संस्कारों से पालन किया, जिसके कारण मैं इस योग्य बन पाया और इसी विचार और संस्कारों से प्रेरित होकर 'संवारे बचपन' परिकल्पना का जन्म हुआ।

इस के लिए संस्था ने एक सर्वे करवाया तो जाना कि शहर से अधिक शिक्षा की जरूरत गांवो में है.... क्योंकि वहां कुछ ही परिवार ऐसे थे जिनकी बेटियां शिक्षा प्राप्त कर पा रही थी, गांव में एक परिवार था... एक विधवा मां अपनी 10 या 11 वर्ष की बेटी के साथ खड़ी थी..... जब उनसे पूछा गया की आप अपनी बेटी को विद्यालय क्यों नहीं भेजती, तो मां की आँखों में आँसू थे वो बच्ची मेरे पास आई, बड़े प्यार से मेरा हाथ पकड़ कर बोली - मेरे पापा नहीं हैं। बच्ची की आँखों में आँसू थे। उसकी आँसू भरी आँखो ने मुझे मेरे बचपन से मिला दिया, उसे कुछ कहने की जरूरत नहीं थी, उसके आँसू उसके हालातों को साफ-साफ बयां कर रहे थे, तभी से मैंने फैसला लिया की इस देश की बेटियों को शिक्षा दिलाना मेरा दुसरा प्रयास है। मैं मेरे बचपन को तो नहीं संवार पाया पर मैं कुछ बेटियों के बचपन को संवार सकूं अगर एक भी बेटी को शिक्षित कर सका तो मैं मेरे जीवन को सार्थक समझुगा।

आपकी कमाई का एक मामूली सा हिस्सा, किसी के बचपन को सँवार सकता है

प्रयास हमारा सहयोग आपका ।

Many of life's failures are experienced by people who did not realize how close they were to success when they gave up

Each new day is another chance to change your life.

करूणामयी माँ संत श्री कमलाबाई

भगवान बोलते है.....।
तु करता वही है जो तु चाहता है।
पर होता वही है जो मैं चाहता हूँ।
तु वही कर जो मैं चाहता हूँ। फिर
होगा वही जो तु चाहता है।

मातृछाया....

मानव जीवन का उद्देश्य है कि अपने मन, वचन और कर्म से औरों की मदद करना। हमेशा यह देखा गया है कि जो लोग दुसरों की मदद करते है, उन्हें कम तनाव रहता है। मानसिक शांति और आनन्द का अनुभव होता है। वे अपनी आत्मा से ज्यादा जुड़ें हुए महसूस करते है और उनका जीवन संतोषपूर्ण होता है। जबकि स्पर्धा से खुद को और दुसरों को तनाव रहता है।

इसके पीछे विज्ञान यह है कि जब कोई अपने मन, वचन और कर्म को दुसरों की सेवा के लिए उपयोग करता है, तब उसे सबकुछ मिल जाता है। उसे सांसारिक सुख-सुविधा की कमी कभी नहीं होती। धर्म की शुरूआत ओप्लाइजिंग नेचर से होती है। जब आप दुसरों के लिए कुछ करते है, उसी पल खुशी की शुरूआत हो जाती है। मनुष्य और अन्य प्राणियों को खुशी देना हमारी आत्मा को पवित्र करता है और आप एक अच्छे इंसान बनते है। एक अच्छा इंसान होने का अर्थ दुसरों के लिए कुछ करने से कहीं अधिक है। सृष्टि में सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार कर पाने के लिए जरूरी है कि पहले आप स्वयं को स्वीकार करें और स्वयं से प्रेम करें। स्वयं को एक बेहतर इंसान बनने के लिए दान तो सिर्फ एक सूक्ष्म रूप है, दुसरों की सहायता करना, उन्हें शिक्षित करना आपकों विद्धवान बनाता है। पर मुर्ख व्यक्ति सोचते है कि मैं दुसरों की क्यों मदद करूं, मुझे क्या मिलेगा, मेरी कौन मदद करता है ? मैंने ही सबका ठेका लिया है ? ऐसी कई बाते बोलने व सुनने में आती है, जब दुसरों की मदद करने का सवाल उठता है, तब भूल जाते है कि यह और कुछ नहीं इस धरती को अपने और दुसरों के रहने के लिए बेहतर बनाने की दिशा में बढ़ाए गए कदम है।

''दुसरों की मदद करना धरती पर आपके कमरे का किराया है जो आपको देना ही चाहिए।''

संकल्पना

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट के उद्भव में यह संकल्पना निहित है कि इन्सानियत व मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। कहते है दुनिया में कोई शक्ति नही हैं जो इन्सान को गिरा सके, इन्सान- इन्सान द्वारा ही गिराया जाता है। दुनिया में ऐसा नही है कि सभी बुरे है, इस जगत मैं अच्छे बुरे लोगो का संतुलन हैं। मुंशी प्रेमचन्द ने कहा था कि जहाँ 100 में से 80 लोग भूखे मरते है वहाँ लोग विलासिता पर हज़ारों-लाखों रूपये पानी की तरह बहा देते है। यदि किसी भूखे को रोटी दे दी जाए तो भूखे की आत्मा तृप्त देखकर जो आनन्द प्राप्त होगा वही सच्चा सुख है। आज मानव स्वार्थ की पट्टी के कारण अंधा होता जा रहा है। मानवीय मूल्यों का पतन होता जा रहा है। प्रत्येक मानव की सहायता करना ही हमारा प्रथम कर्तव्य होना चाहिये भगवान के पास हर चीज का लेखा-जोखा है। इसीलिए किसी को दुखी नहीं करना चाहिये। ईश्वर की लाठी जब पड़ती है तो उसकी आवाज़ नहीं होती ईश्वर इस धरा के कण-कण में विद्यमान है। मानव सेवा ही भगवान की सेवा है, ये अटल सत्य है।

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक श्री देवेन्द शर्मा का मानना है कि ईश्वर ने जिन्हें दूसरों की तुलना में अधिक दिया है तो सिर्फ इसलिए कि उन्हें विश्वास है कि वो इसे दूसरों के साथ साझा करेगें, उनका मानना है कि कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट केवल एक संस्थान ही नहीं अर्थात एक सोच है जो मानव जीवन को सशक्त बनाने में अपना अहम् योगदान देना चाहती है।

प्राथमिकता

कोई भी भुखा ना सोऐ (निवाला)

न जाने कितने लोग रोज भूखे पेट सोते हैं। आपको ये जानकर दुख: होगा कि सिर्फ देश में कम से कम 50 करोड़ लोग ग़रीबी रेखा के नीचे है यानि उन्हें रोज भर पेट भोजन नहीं मिलता। अगर उन्हें सूखी रोटी मिल जाये तो वही बहुत है। कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट की सबसे पहली प्राथमिकता यही है कि सम्पूर्ण भारत में कोई भी भुखा न रहे। सिर्फ सोचने भर से तो कोई भूखा नहीं रहेगा, उसके लिए कहीं ना कहीं से तो शुरूआत करनी ही होगी और इस की शुरूआत कमला बाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने ''निवाला'' एक कोशिश के नाम से 20 जुलाई 2016 को जयपुर के सबसे बड़े सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के बांगड़ गेट पर, दूर दराज से अपनों का इलाज कराने आये उनके परिजनों के लिए नि:शुल्क भोजन व्यवस्था प्रारम्भ कर दी।

कोई बेटी अनपढ़ ना रहें (सँवारे बचपन)

आधुनिकता की इस अंधी दौड में नारी को अबला नहीं सबला बनाकर सशक्त करना है विवेकानन्द जी ने कहा था कि जब तक स्त्रियों की दशा सुधारी नहीं जायेगी तब तक संसार में समृद्धि की कोई संभावना नहीं है, पक्षी एक पंख से कभी नहीं उड़ पाता। आने वाले कल में नारी के लिए निर्भय और स्वछन्द वातावरण का निर्माण और आधुनिकता के परिवेश में वैचारिक समानता तभी हो पायेगी, जब हम हमारी बेटियों को पढ़ायेगे लिखायेगे। कमला बाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने अपनी संकलपना में प्राथमिकता दी है बेटियों को पढ़ाने की, ट्रस्ट की ''सँवारे बचपन'' योजना के अन्तर्गत उन बेटियो को पढ़ाया जायेगा जिनका परिवार आर्थिक रूप से कमज़ोर है और उन्हे पढ़ाने में असक्षम है। यही ट्रस्ट की दूसरी प्राथमिकता है।

कहीं भी गंदगी ना रहें (सफाई अभियान)

अभी हाल ही में नई सरकार सत्ता में आई और उसकी मुख्य प्राथमिकता भारत को स्वच्छ करने में हैं और इसी लक्ष्य को लेकर एक अभियान शुरू हुआ जिसका नाम है ''स्वच्छ भारत अभियान'' इस अभियान को सफल बनाने के लिए बड़ी-बड़ी हस्तियाँ भी खुद सड़कों को साफ कर अपनी सक्रिय भुमिका निभा रही है, ये अभियान केवल सरकार का कर्तव्य नहीं बल्कि राष्ट्र को स्वच्छ बनाने की ज़िम्मेदारी इस देश के सभी नागरिकों की है। कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने 'स्वच्छ भारत अभियान' में अपनी सक्रिय भूमिका अदा करना प्रारम्भ कर दिया है इस अभियान को ट्रस्ट के 200 से ज्यादा युवा, गतिशील और उर्जावान साधकों ने अपनी रोज़मर्रा की ज़िन्दगी में अपना लिया है ये ट्रस्ट की तीसरी प्राथमिकता है।

आपश्री भी ट्रस्ट का सहयोग करें यही आपसे अनुरोध है

''निवाला'' एक कोशिश योजना के अन्तर्गत एस.एम.एस. बाँगड़ गेट पर प्रतिदिन नि:शुल्क भोजन वितरण

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट कि प्रथम योजना ''निवाला'' के 5 फरबरी 2016 को 200 दिवस पूर्ण होने की सफलता के उपलक्ष्य पर आप सभी दानदाताओं और सभी सहयोगी भाई एवं बहनों को ट्रस्ट परिवार की और से बहुत-बहुत धन्यवाद देते है....

आज के दिन कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने श्री देवेन्द्र जी के दिशानिर्देशों से निवाला योजना को जन्म दिया था, निवाला योजना एक ऐसी योजना है जिसमें ऐसे व्यक्तियों, जरूरतमंदो तक भोजन पहुंचाया जाता है जहां भोजन कि आवश्यकता सचमुच है, इसलिए हमने एस.एम.एस. अस्पताल का परिसर का चयन किया, क्योंकि वहां आने वाले मरीजों की संख्या बहुत अधिक होती है और मरीजों के साथ आने वाले सहयोगी को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इन परेशानियों से लड़ते-लड़ते पैसों की नियमितता समाप्त हो जाती है और ऐसे हालात हो जाते है कि एक समय को भोजन जुटाना असंभव सा हो जाता है, पर इस असंभव से लगने वाले कार्य का भार उठाकर कमलाबाई ट्रस्ट ने ये कदम उठाये कि हर व्यक्ति तक वह निवाला पहुंचे जिसकी उसे जरूरत है.... पर फिर भी कुछ लोग जो लाइन में खड़े होकर निवाला का इंतजार कर रहे होते है और उन तक वो निवाला हम नहीं पंहुचा पाते तो हमें बहुत कष्ट होता है क्योंकि जो सीमा कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट की है वो सिर्फ आप भाईयों और बहनों की सहायता के जरिये ही पूरी हो सकती है अभी ये सीमा 100 व्यक्ति प्रतिदिन है फिर भी कम से कम 50 व्यक्ति जो ये 100 की सीमा पूर्ण होने के पश्चात् रह जाते है उन्हें भी हम शामिल करना चाहते है तो आप सभी से निवेदन है कि इस 100 लोगों की सीमा को 100 से बढ़ाकर 300 तक कर सकें, जिसकी वहां बहुत आवश्यकता है, इस अभियान से ज्यादा से ज्यादा संख्या में जुड़ कर लोगों तक निवाला पहुंचाने में मदद करें.....

''विचार लो कि मृत्यु हो, न मृत्यु से डरो कभी। मरो परन्तु यूं मरो, कि याद तो करे सभी।।
हुई न यूं सुमृत्यु तो, वृथा जिये वृथा मरे। पशु प्रवृति है यही कि, आप आप ही चरे।
मनुष्य वृत्ति है यही कि और के लिए मरे।''

बालीका सहयोग – सँवारे बचपन

ज्योती बासोदिया, पिता लेखराज बासोदिया,
राजकीय माध्यमिक विधालय,गांव झाला टाला, पो.- मोलोनी, भरतपुर

श्री लेखराज जी बासोदिया, प्रैस (स्त्री) करने का काम करते है। घर की माली हालात ठीक नही थी तो खुद नही पढ़ सके। जब से होश सभाला तब से स्त्री ही कर रहे है। जो भी मिलता है उसी मे ही घर का गुजर-बसर करते है। भरतपुर के पास एक छोटे से गाँव झाला-टाला मे रहते थे, लेकिन वहा पर कोई रोजगार का साधन नही था तो जयपुर आ गये। ज्योती की मां चन्हा देवी शिक्षित नही हैं लेकीन अपने पती की सहायता करती है। घर घर जा कर कपड़े लेकर आना और उनको सही समय पर उपल्बध कराती है। ज्योती 4 बहन भाईयो मे सबसे छोटी है। ज्योती को सरकार की तरफ से छात्रवृती मिलती है लेकीन इस बार नही मिली। **BPL** कार्ड से गेहुं मिलता है सरकार से और कोई सुविधा नही मिलती। 1700 रूपये किराये का मकान ले रखा है।

कमलेश दरोगा पिता स्वः श्री हनुमान सिंह दरोगा
राजकीय उ. मा. विद्यालयगाँव, करणी वाटिका कॉलोनी के पास चौधरी कृषी फार्म

हनुमान सिंह दरोगा जी के पास एक ट्रेक्टर था, जमींदारी करते थे। हनुमान जी एक दिन ट्रेक्टर चला रहे थे पिछे से ट्रोले ने टक्कर मार दी, मोके पर ही देहान्त हो गया था। ट्रोले वाले पर केस कर रखा है पर मुवावजा नही मिला। मां गुमानी देवी 8 बालीकाओं और एक बालक को ले कर परिवार को चला रही है। जमीदारों के खेतो में काम करती है। खेत मे एक छप्पर बनाया हुआ हैं। गुमानी देवी का कहना है की मेरी बस की बात नही अब सभी बच्चीओ को पढ़ाने की पहले बालीकाओं को छात्रवृति मिल जाती थी अब नही मिलती। मै बहुत परेशान हुँ। कोई भी मेरी मद्द करने को तैयार नही है। अब आप (कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट) आये हो आपसे निवेदन है कि आप बालिकाओं का जिम्मा लेलो। बाकी तो मैं परिवार को जैसे तैसे चला लुँगी नही तो मुझे मजबुरन बच्चीयों की पढ़ाई छुडवानी पड़ेगी।

प्रीती भाटी, पिता स्वः श्री करण सिंह भाटी
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,गोदावरी नगर, विजय पुरा, बिन्दायका

प्रीती भाटी एक होनहार बालिका है, और कक्षा 10 में अध्धयन कर रही है घर मे सब कुछ अच्छा चल रहा था की पिताजी करण सिंह भाटी गार्ड की नोकरी करते हुऐ अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे थे और एक दिन छत से गिर कर उनकी मत्यु हो गई। और उनके जाने के बाद परिवार बिलकुल टुट गया है। समाज और संबंधीयों ने भी मदद के नाम पर हाथ खडे कर दिये मां नीरा कंवर स्कुल में बाईजी का काम कर के जेसे-तेसे खाने का खर्च तो चला रही है लेकिन पड़ाने में बिलकुल भी सक्षम नही है घर में कोइ अन्य आय का स्त्रोत भी नही है जमीन जायदाद भी नही है। 5 लोगो के परिवार को चलाना बहुत मुशकिल हो रहा है, प्रीती कहती है की में पढ़ना चहती हुँ और मे पढ़ लिख कर अपने छोटे भाई बहनो को भी पढ़ाना चाहती हुँ

मनिषा प्रजापत पिता स्व. श्री पूरण मल प्रजापत
राजकीय उ. मा. विधालय, निवारू बस स्टैन्ड

मनीषा, अर्जुन और पूजा वह बच्चे है जो पिता की बुरी लत के चलते बेसहारा और अनाथ हो गये। इनके पिता कैलाश चन्द प्रजापत को शराब सेवन की बुरी लत थी। घर खर्च के लिये चाय की थडी चलाते थे पर घर की आर्थिक स्थिति बदतर ही थी। सन् 2011 में कैलाश चन्द जी को शराब की बुरी आदत के कारण लीवर की बिमारी हो गई और हार्ट अटेक आने से दुनिया छोड कर चले गये। माँ यह सदमा सह नहीं पाई और खुद को जला लिया। बच्चों पर तो जैसे दुःख का पहाड़ टुट पड़ा। अचानक मम्मी और पापा के चले जाने से बच्चे अनाथ बेसहारा हो गयें। परिवार वालों ने अपनाने से इनकार कर दिया ऐसे में बच्चों की मोसी इनका पालन-पोषण कर रही है मोसा पुरणमल मिस्त्री का काम करते है उनके कन्धों पर अपने परिवार के साथ इन तीन बच्चों का भी खर्च वहन करने की जिम्मा हैं। ये तीनो बच्चे शुरू से ही पढ़ाई में होशियार और मेहनती है अगर इनको सही मार्गदर्शन ओर सहयोग मिले तो इनकी प्रतिभा को सही दिशा दी जा सकती है। इस बिखरते परिवार को संभालने की आवश्यकता हैं मदद का एक हाथ इनके भावी जीवन में रगं भर सकता हैं

सँवारे बचपन - सहायता की प्रतिक्षा में बालिकाऐं

उजाला चौहान	पायल बैरवा	भाग्य श्री अटोलिया	मनीषा प्रजापत
आरती सिंह	महक सैन	करिश्मा कुमारी	गोदावरी शर्मा
सोमवती पांडये	सपना बुनकर	कमलेश दरोगा	आकांशा काला
काजल	चंचल	आरती हरिजन	आरती कंवर
पायल मोर्य	पायल बुनकर	मन्दोदरी वर्मा	निशा वर्मा
पूजा कुमारी	रीना राठौड़	पल्लवी सैन	लक्षिता वर्मा
मोनिका रैगर	आयुषी शर्मा	ज्योति कासोदिया	हंसा कुमावत
कविता कुमारी	माया सोनी	कमलेश सैन	तमन्ना सिंह
गुड़ीया कुमारी	प्रिति भाटी	मोनिका बुनकर	
आरती कुमारी वर्मा	सीमा गुर्जर	नेहा गुजराती	

आमन्त्रण

प्रिय श्री,

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट की मासिक पत्रिका ''निवाला'' एक कोशिश के लिए आप सभी पाठ्कों को हम आमन्त्रण दे रहे हैं कि अगर आप के पास कोई लघु कथा हो, प्रोत्साहित करने वाली कविता हो, कोई पोराणिक कथा हो जिसे श्रृंखला बद्ध करके पत्रिका में दी जा सके, कोई लेख हो, देश-भक्ति से जुडी कोई कहानी हो, कोई ऐसी घटना हो जो और लोगों को सम्बल प्रदान कर सके आप हमें अवश्य भेजें। अगर आप की कहानी,लेख, कथा या कविता कमेटी द्वारा चुनी जाती है तो उसे हमारी पत्रिका में अवश्य ही शामिल किया जायेगा। आप की लघु कथाओं, कहानियाँ, लेखों, कविताओं का हमें इन्तज़ार रहेगा।

धन्यवाद

कमला बाई चेरिटेबल ट्रस्ट

सुझाव

प्रिय श्री,

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट की मासिक पत्रिका एक कोशिश निवाला आपके हाथों में है। हमने भरपूर कोशिश की है कि ट्रस्ट द्वारा किये जा रहे नि:शुल्क सेवा प्र:कल्प आपश्री तक पहुँचे और आपके सहयोग से उन ग़रीब, असहाय, लाचार और असक्षम लोगो की मदद हो जिन्हे आपके और हमारे सहारे की अत्यधिक आवश्यता है। आपश्री से भी अनुरोध है कि अगर पत्रिका से सम्बन्धित कोई सुझाव आप देना चाहते हैं तो नि:संकोच हमें लिख भेजे ताकि दिन-प्रति दिन पत्रिका ''निवाला'' एक कोशिश में सुधार होता रहे। आपके बहुमुल्य सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

धन्यवाद

कमला बाई चेरिटेबल ट्रस्ट

नैत्र जाँच व मोतियाबिंद ऑपरेशन

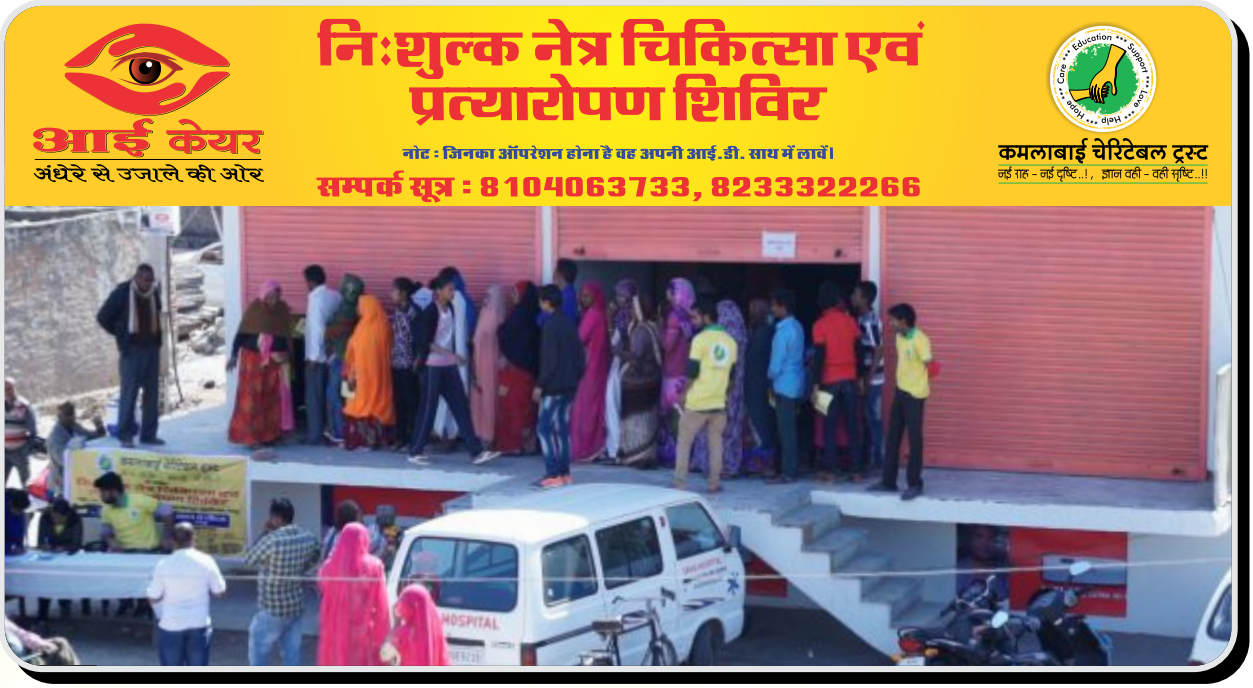

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित किये गए नेंत्र जांच शिविर में 156 लोगों की जांच की गई इस नेत्र शिविर में 26 लोगों को मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिये चुना गया और चयनित लोगों को मोतिया बिन्द का सफलता पुर्वक ऑपरेशन सहाय हॉस्पिटल में किया गया। इसी के साथ 50 लोगों को नि:शुल्क चश्में वितरित किये गये.

आंखो के सभी रोगों का चैकअप स्पेशलिस्ट एवं सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क किया गया। दूर-दराज के गाँवों से आने वाले नेत्र रोगियों की विशेषज्ञ डॉक्टर व आधुनिक मशीनों से जांच की गई तथा उसके पशचात् ऑपरेशन के लिए चयनित किया गये तथा ऑपरेशन के बाद उन्हें ठहरने के लिए विश्राम गृह में उनकी सेवा और संभाल के लिए सेवादारों की ड्यूटियां लगाई गई।

रोग मुक्त करना है लक्ष्य है कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट का, मोतियाबिन्द की समस्या तेजी से बढ़ रही है कभी यह 60 साल से अधिक उम्र के लोगों की आंखों की बीमारी मानी जाती थी लेकिन अब तो 40 साल के युवा भी इसकी चपेट में आ रहे है। शहर हो या गांव हम इस रोग को मिटाने के लिए नेत्र शिविर का आयोजन कर रहे है जो हर माह हर गांव, ढाणी हर कस्बे में उन लोगों की सहायता कर सकें जो शहर आ कर मोतियाबिन्द का ऑपरेशन नही करा सकते, जिनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है जो लोग सक्षम नहीं उन्हें हम इस नेत्र जांच शिविर के जरिए सहायता प्रदान करना चाहते है जिसमें हमें आपके योगदान एवं सहयोग कि आवश्यकता है।

कृपया दान सहयोग से दृष्टि लाभ का पुण्य प्राप्त करें।

सफ़ाई अभियान

भारत एक प्राचीन सभ्यता है। इसे एक पवित्र राष्ट्र माना जाता है, इसके लोग बहुत धार्मिक है, भारत में विभिन्न धर्मो के लोग रहते है और वे अपने धर्मों का पूरी निष्ठा से पालन करते है, लेकिन यह हमारे देश की कड़वी सच्चाई है, कि स्वच्छता और धर्म परायणता केवल धार्मिक गतिविधियों और रसोई तक ही सीमित है। हम भारतीय अपने हर तरफ की गंदगी के लिये गंभीर नहीं है, चाहे कहीं भी कोई गंदगी का ढेर पड़ा हो। अपने आस-पास के वातावरण को साफ़ और स्वच्छ रखना हमारे व्यवहार में नहीं है, ज्यादा से ज्यादा हम सिर्फ अपने घर को ही साफ़ रख पाते है लेकिन सड़क, रास्ते, पार्क या सार्वजनिक जगहों के प्रति हम कतई चिंतित नहीं है। हम सोचते है कि ये हमारा मसला ही नहीं है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य लोगों को सफाई के लिए प्रेरित व जागरूक करना है, जिससे देश का वातावरण शुद्ध रहे और हम व हमारी आने वाली पीढ़ीयाँ स्वस्थ व सुदृढ़ बने। इसी के लिए देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश में स्वच्छता के कार्यो के बड़े समर्थक थे तथा वो अपने पूरे जीवन भर साफ़-सफ़ाई और स्वच्छता की गतिविधियों से जुडे रहे।

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट भी उन्हीं की प्रेरण से 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत भारत को स्वच्छ बनाने के लक्ष्य को लेकर आगे कदम बड़ा रहा है, ट्रस्ट का संकल्प है कि भारत के किसी भी कोने में गंन्दगी ना रहे। 2 अक्टुबर, 2014 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत की थी। कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने भी इस 'स्वच्छ भारत अभियान' के साथ अपने कदम मिला लिये है, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक रविवार प्रात: 7 से 9 बजे तक सफाई अभियान चलाया जाता है जिसमें संस्था के साधक स्वेच्छा व पूरी निष्ठा से योजना में हिस्सा लेते हैं।

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट इस मुहीम के लिए हर उस व्यक्ति को आंमत्रित करता है, जो स्वयं को व अपने परिवार को स्वस्थ रखना चाहता है। इसीलिए हमारा 'नारा' है 'स्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत'

आप भी आगे आयें और सप्ताह में सिर्फ 2 घण्टे देकर देश की प्रगती में हाथ बटायें। उम्मीद है कि आप अपने व देश के लिए इस अभियान से जरूर जुड़ेंगें।

''हम बदलेंगें..., देश बदलेगा...!''

परिंडा अभियान

सुनें परिंदों की पुकार

सुबह सँवेरे जगाते हमें, मधुर गीत सुनाते हमें।
झुण्ड में रहते है, ऐकता का संदेश सुनाते हमें।।

इठलाती थी कभी घोसले में, कभी शाखो पर चहचाहती थी।
उडती कभी मस्त हवाओं संग, कभी जमीन पर उतर कर गाती थी।।

''इन दिनों गर्मी बहुत बड़ गयी है तापमान 46'/47' के आसपास हो गया है और कुछ समय के बाद गर्मियों में सबसे ज्यादा शामत किसी की आने वाली है तो वो है बेजुबान पंक्षी। ये पंक्षी हमारे पर्यावरण का अभिन्न अंग है। बेजुबान पंक्षियो की रक्षा करना हमारा कर्तव्य और साथ धर्म भी है।

बदलते पर्यावरण के बीच पंक्षियों के लिए यह दौर चिंताजनक हो गया है। सबसे बड़ी चुनौती पंक्षियों को गर्मी के मौसम में पीने का पानी की होती है। गांवों में हालात फिर भी ठीक है पर शहरों में तो इन मासूमों को पीने को पानी नसीब नहीं हो रहा है, और इसकी जिम्मेदारी किसी सरकार की नहीं हमारी खुद की है।

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने पशु-पक्षियों के लिए परिंदा अभियान शुरू किया है ताकि इन मासूमों को भूख और प्यास के कारण दम ना तोड़ना पड़े। ट्रस्ट ने इन बेजुबान पक्षियों को दाना-पानी देने के कार्य को अपनी दिनचर्या में शामिल कर लिया है और नि:स्वार्थ भाव से इन मासूमों की सेवा में लगे है।'' तो आईये आज हम संकल्प लेते हैं इन बेजुबान पक्षीयो की सुरक्षा के लिए कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा चलये जा रहे परिंदा अभियान में शामिल होकर पक्षियो तक दाना पानी पहुचाने में ट्रस्ट की मदद करते हैं ।

निवाला सेवा आश्रम

कमला बाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने 1 दिसम्बर, 2016 को 'निवाला सेवा आश्रम' बनाने का निर्णय लिया, जिसके अन्तर्गत एक 'वृद्धाश्रम' व एक 'अनाथाश्रम' बनाना प्रस्तावित है। इस निवाला सेवाश्रम में वृद्धों व अनाथ बच्चों की पूर्णतया नि:शुल्क रहने की व्यवस्था की जायेगी। बुजुर्गों व बच्चों के इस घर में उन्हें आवास, चिकित्सा, भोजन, वस्त्र आदि सभी आधुनिक सुविधाऐं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जायेगी एवं सम्मान के साथ अपनापन व प्यार दिया जायेगा, जिसकी उन्हे सबसे ज़्यादा ज़रूरत है।

'निवाला सेवा आश्रम' के लिए ट्रस्ट द्वारा एक 10,000 वर्ग गज का प्लॉट लेना प्रस्तावित है, जिस पर सर्व सुविधायुक्त आधुनिक वृद्धाश्रम व अनाथ आश्रम बनवाया जायेगा। इसके लिए हम आपश्री को आमंत्रित करते हैं कि आपश्री भी असहाय बुजुर्गों व बच्चों की एक आस में अपना छोटा-सा योगदान देकर सहयोगी बने और पुण्य के भागी बने, जिसके लिए ट्रस्ट हमेशा आपका आभारी रहेगा व हमेशा आप सम्मान के हकदार रहेंगे।

भूमि व परिसर हेतु सहयोग करने वाले दानताओं के नाम परिसर के मुख्य द्वार के दोनों और स्वर्णाक्षरों में अंकित किए जाएगें और भूमि पूजन के समय आप सभी को निमंत्रित कर आपका सम्मान किया जायेगा।

निवाला सेवाश्रम का भूमि-पूजन दशहरे के पावन पर्व (2017) पर अपेक्षित है

निवाला किचन

हमेशा बड़े सफ़र की शुरूआत एक छोटे से क़दम से ही होती है, ऐसे ही एक बड़े सफ़र की छोटी सी शुरूआत का एक छोटा- सा क़दम कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने भी आगे बढ़ा दिया है, जिसका नाम है ''निवाला'' एक कोशिश।

इस योजना के अर्न्तगत हर दिन शाम 6:30 बजे एस. एम. एस अस्पताल के बांगड़ प्रवेश द्वार पर सो लोगों के लिए नि:शुल्क भोजन वितरण किया जाता है। धीरे-धीरे ''निवाला'' योजना को जयपुर शहर के विभिन्न अस्पतालों में प्रारम्भ करने का प्रयास निरन्तर जारी है। जिसके लिए कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट को अपनी ही एक रसोई (निवाला स्मार्ट किचन) की आवश्यकता महसुस हो रही है, अगर ट्रस्ट का अपना रसोईघर होगा, तो ट्रस्ट शुद्ध घर जैसा स्वादिष्ट भोजन ज़रूरतमंदों तक पहुँचाने में सक्षम हो जायेगा, एवं इस भोजन को ज़रूरतमंदों तक पहुँचाने के लिए एक डिलीवरी-वैन की भी आवश्यकता है, जो जयपुर शहर के विभिन्न भागों में समय पर ज़रूरतमंदों को भोजन पहुँचा सके।

इसके लिए संस्थान आपश्री को सहयोग के लिए आंमत्रित करता है। आप आगे आयें और इस पुण्य कार्य के सहभागी बनें। इसके लिए ट्रस्ट हमेशा आपका आभारी रहेगा तथा आप हमेशा सम्मान के अधिकारी रहेंगे।

" We make a livind by what we get . . .
But we make a life by what we give"

- Winston Churchill

निवाला किचन के लिए आवश्यक उपकरणों की सूची

Photo	Item	Rate/Piece
	Roti Maker	Rs. 2,50,000/-
	Aatta Maker	Rs. 18,000/-
	Dry Pulveriser	Rs. 15,000/-
	2 Burner Bhatti	Rs. 16,000/-
	1 Buffer Plate Rs. 18,000/-	**1 Donated By: Jawhar Nagar Jain Sangh**
	Thali Packing Machine	Rs. 22,500/-
	Ro 50 Ltr.	Rs. 25,000/-
	Deep Fridge 500 Ltr.	Rs. 28,500/-
	Bhaji Cutting Machine	Rs. 15,500/-
	Delivery VAN	Rs. 5,50,000/-

Photo	Item	Rate/Piece
	Working Table	Rs. 7,000/-
	Kitchen Upper 6 Shelves	Rs. 3500/-
	Wash Basin	Rs. 10,500/-
	6 Stool For Working	Rs. 4500/-
	Masala Tray	Rs. 8,500/-
	Ducting Unit	Rs. 18,500/-
	Exhaust Moter & Chimney	Rs. 12,000/-
	5 Storing Pot	Rs. 6500/-
	12 SS Drum 5 kg	**Donated By: Bacchu Lal Sani**
	Kitchen Equipments	Rs. 25,000/-

आपश्री अपनी श्रृध्दा अनुसार इन किचन उपकरणों में से कोई भी एक उपकरण किचन में सहयाोग कर सकते हैं।
आपश्री सम्पूर्ण किचन का व्यय (7,41,500/-) वहन कर अपने किसी प्रिय के नाम को निवाला किचन के साथ जोड़ सकते हैं।
आपश्री डिलिवरी वैन (5,50,000/-) को ट्रस्ट में दान कर गरीब, मजबूर, असहाय व भूखे लोगों को भोजन कराने में सहायता करके उनकी दुआओं का पुण्य कमा सकते हैं। आपको हजारों, लाखों हाथों कि दुआऐं मिलती रहेंगी।

सेंट एडमण्ड्स स्कुल

It is what you give, that matters Not what you have

दाता लघुरपि सेव्यो भवति, न कृपणो महानपि समृद्ध्या।
कूपोऽन्त स्वादुजल: प्रीत्यै लोकस्य न समुद : ॥

सेंट एडमण्ड्स स्कुल के कॉमर्स (वाणिज्य विभाग) के छात्र-छात्राओं एवं अध्यापको ने कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा चलाये जा रहे निवाला कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दोरान एडमण्ड्स स्कुल के विधार्थीयों द्वारा संग्रहित भोजन सामग्री सवाई मानसिंह अस्पताल (बांगड) के निराश्रित मरिजों और उनके परिचितों को वितरित की गई। विद्यार्थियों एवं अध्यापको ने संस्था को खाद्यान सामग्री एवं नकद राशी भी प्रदान की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य निशक्तों, निराश्रितों और निर्धनों के प्रति छात्रों में सवेदना, करूणा, दया, परोपकार की भावना करना एवं विधार्थीयों को **NGO** (गैर लाभकारी संगठन) के बारे में जानकारी प्रदान करना था। विधालय परिवार इस कार्यक्रम के संयोजकों का आभार व्यक्त करता हैं। जिन्होने हमारे विधार्थीयों और अध्यापकों को यह स्वर्णिम अवसर प्रदान किया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय नांगल पुरोहितान

श्रीमती मंजु सोनी
(प्रधानाचार्य)

भारतीय संस्कृति में विधादान व भोजन दान को श्रेष्ठ पुण्य कार्य माना है। कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा समाज सेवा की दिशा में अनेक योजनाऐं संचालित की जा राही हैं। जिसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण व अग्रणीय हैं। ''संवारे बचपन'' इस योजना के तहत् वे बालिकाएँ जिनके माता-पिता दोनो या किसी एक की मृत्यु हो चुकी हो या जिनकी आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर हो ऐसी बालिकाओं को समय पर पाठ्य सामग्री या अन्य जरूरत की सामग्री की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु ट्रस्ट 1000/- रूपये की मासिक आर्थिक सहायता प्रदान करता है। इस पुनीत योजना का लाभ मेरे विधालय की कुछ बालिकाओं को भी मिल रहा है। यह योजना नि:संदेह बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ योजना को साकार रूप प्रदान कर रही हैं।

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट की दुसरी योजनाऐं ''निवाला एक कोशिश'' है। जिसके अंतर्गत राजस्थान के सबसे बडे अस्पताल **SMS** के बांगड यूनिट के प्रवेश द्वार पर नित्य शाम 6 बजे करीबन 100 व्यक्तियों को नि:शुल्क भोजन वितरण किया जाता है। ट्रस्ट के इस पुनीत कार्य की वजह से मरीजो की सेवा करने वाले परिजनो को भूखें नही सोना पड़ता। कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट को अपने श्रेष्ठ प्रयासो व कर्मो से आगे बढाने वालो सभी कर्मठ पदाधिकारीयों सदस्यों की मैं हार्दिक मंगल कामना करती हूँ जिसके सुकर्मो की वजह से यह ट्रस्ट पुष्पित पल्लवित होकर अपनी सुवास से गुलाबी नगरी को महका रहा है।

औरो के हित जो जीता है, औरो के हित मरता है,
उसका हर आंसु रामायण और हर कार्य ही गीता है।

भाव भूमि : वैसे तो श्रीमद् भागवत गीता विषय अनेक पुस्तकें यहाँ-वहाँ उपलब्ध है और गीता कथा को खण्ड काव्य और गद्य दोनों रूप में पढ़ा गया है किंतु ये पहली श्रृंखला है जिसमें गीता के अठारह अध्यायों के मर्म को सरल भाषा में उजागर किया जा रहा है। हमारी पत्रिका ''निवाला'' में आ रही ये श्रृंखला ग्रामीणांचलो के निवासीयों एवं नव साक्षरों के लिए प्रेरणा-स्त्रोत बनेगी और वे कर्म के पथ पर चल कर गंतव्य तक पहुँचेंगे ऐसा हमारा विश्वास है।

--चेतावनी--

निस्वार्थ सब काम कर, परहित दे धन त्याग। माह शोक को दूर कर, जाग जाग नर जाग।।
गीता का उपदेश है - नहीं किसी की मौत। अज्ञानी है जीव वह, जिसे डराती मौत।।

--पहला अध्याय--

क्रमशः से आगे

भगवान श्री कृष्ण जी ने रथ को हांक कर रणभूमि में लाकर खड़ा कर दिया। अर्जुन ने देखा कि उसके सभी निकट सम्बन्धी मरने-मारने को तैयार खड़े है। अपने श्रसुर, मामा, साले और दूसरे खास रिश्तेदारों को सामने देख कर अर्जुन की ऑखों में आंसू आ गये और उसने भगवान श्री कृष्ण से साफतौर से यह कह दिया कि मैं लड़ाई में नहीं लडूंगा। भला इस थोड़ी सी जिन्दगी के ऐश और आराम के लिये इस तरह खून बहाना मुझसे नहीं हो सकता। इस पाप से तो भीख मांगना मुझे अच्छा लगता है। हे भगवान! मुझे तो इन्हें देख कर कंप-कंपी आती है। मेरी तो बुद्धि काम नहीं करती। मैं तो भगवान आपका शिष्य हूँ। आप ही मुझे बतलाइये कि मुझे क्या करना चाहिये ? यह कहकर अर्जुन रथ से गिर पड़ा और उसके हाथ से धनुष-बाण छूट गया। भगवान श्री कृष्ण ने कहा हे अजुर्न तु रंज क्यो करता हैं की मुझसे लड़ाई में खुन बहेगा और इनते प्राणियो को मारने का पाप मुझे लगेगा मगर तु यह नही जानता की जीव आत्मा हमेशा से अनादी हैं न कोई इसे कत्ल कर सकता हैं और नही इसकी किसी प्रकार से मोत होती हैं यह तो हमेशा एक सी रहने वाली अमर चीज है जैसे कोई आदमी नये कपडे पहन लेता हैं और पुराने कपड़े उतार देता हैं उसी तरह तु जीव आत्मा को समझ। दुसरी जो बात होने वाली होती हैं वह रूक नही सकती तु क्या इस को मोत से बचा सकता हैं, अगर तु समझता हैं की रात व दिन एक दुसरे के बाद होते हैं इसी तरह मोत और जिन्दगी का भी सिलसिला हैं तु क्षत्रिय हैं लड़ना तेरा परम धर्म हैं तुझे आराम और तकलीफ को एक समझना चाहिए इससे पिछे हटे तो तुझे नरक का अधिकारी बनना पडेगा शरीर सदा नाशवान हैं इसकी तुझे जरा भी फिकर नही करनी चाहीए।

क्रमश :

आख़री काम

एक बुढ़ा कारपेंटर अपने काम के लिए काफी जाना जाता था, उसके बनाये लकड़ी के घर दूर-दूर तक प्रसीद्ध थे. पर अब बुढा हो जाने के कारण उसने सोचा की बाकी की जिन्दगी आराम से गुजारी जाए और वह अगले दिन सुबह-सुबह अपने मालिक के पास पहुंचा और बोला, ठेकेदार साहब, मैंने बरसो आपकी सेवा की है पर अब बाकी का समय आराम से पूजा-पाठ मे बिताना चाहता हुँ, कृप्या मुझे काम छोड़ने की अनुमति दे.

ठेकेदार कारपेंटर को बहुत मानता था, इसलिए उसे ये सुनकर थोडा दु:ख हुआ पर वो कारपेंटर को निराश नही करना चाहता था, उसने कहा, आप यहाँ के सबसे अनुभवी व्यक्ति हैं आपकी कमी यहाँ कोई नही पुरी कर पायेगा लेकिन मैं आपसे निवेदन करता हुँ की जाने से पहले आखरी काम करते जाइये.

जी, क्या काम करना है ? कारपेंटर ने पुछा.

मै चाहता हुँकी आप जाते-जाते हमारे लिए एक और लकड़ी का घर तैयार कर दीजिये, ठेकेदार घर बनाने के लिए जरूरी पैसे देते हुए बोला.

कारपेंटर इस काम के लिए तैयार हो गया. उसने अगले दिन से ही घर बनाना शुरू कर दिया, पर ये जान कर की ये उसका आखरी काम है और इसके बाद उसे कुछ नही करना होगा वो थोड़ा ढीला पड़ गया. पहले जहाँ वह बड़ी सावधानी से लकड़ियाँ चुनता और काटता अब बस काम चलाऊ तरीके से ये सब करने लगा. घर एक हफ्ते में तैयार हो गया और वो ठेकेदार के पास पहुंचा, ठेकेदार साहब मैने घर तैयार कर लिया है, अब तो मैं काम छोड़ कर जा सकता हूँ ?

ठेकेदार बोला हाँ आप बिलकुल जा सकते हैं लेकिन अब आपको अपने पुराने छोटे से घर मे जाने की ज़रूरत नही है, क्योकी इस बार जो घर आपने बनाया है वो आपकी बरसों की मेहनत का इनाम हैं, जाइऐ अपने परिवार के साथ उसमे खुशहाली से रहिये।

कारपेंटर यह सुनकर स्तब्ध रह गया, वह मन ही मन सोचने लगा, कहाँ मैंने दुसरो के लिए एक से बढ़ कर एक घर बनाये और अपने घर को इतने घटिया तरीके से बना बैठा..... काश मैंने ये घर भी बाकी घरों की तरह ही बनाया होता.

Friend, कब आपका कौन सा काम किस तरह आपको **affect** कर सकता है ये बताना मुशकिल है. ये भी समझने की जरूरत है की हमारा काम ही हमारी पहचान बनाता है और बिगाड़ सकता है. इसलीए हमारी कोशिश होनी चाहिए की हम हर एक काम अपनी **best of abilitie** के साथ करें फिर चाहे वो हमारा आखरी काम ही क्यो न हो।

एक निवेदन

अक्सर लोग स्वंय के जन्म दिन एवं अपने परिवार के किसी सदस्य के जन्म दिन का लम्बा इन्तजार करते है। उस दिन को एक यादगार पल बनाने के लिए एक उत्सव के रूप में मनाना चाहते है। पति पत्नि होटल या रेस्टोरेन्ट में सभी मित्रगण आदि के साथ मिलकर पार्टी का आयोजन करते है। माता पिता के जन्म दिन पर सभी परिवार जन एवं उनके मित्रजनों को बुलाकर एक आयोजन किया जाता है। ऐसे अवसर पर हम स्वयं के या अपने बच्चों के जन्म दिन को एक बेहतर शुरूवात के साथ मना सकते है,

हमारी संस्था निवाला एक कोशिश के तहत एस. एम. एस. हॉस्पिटल के बागड़ प्रवेश द्वार पर 100 लोगों के लिए नि:शुल्क भोजन वितरण कर रही है। आप भी अपने किसी अजीज के जन्म दिन पर मात्र 2100 रू. का एक दिन का अंशदान देकर 100 जरूरतमंदो को भोजन करा सकते है, आज कुछ ही राशि के अंनदान के फल स्वरूप आपके प्रियजनों के लिए 100 हाथों की आशीष प्राप्त कर सकते है, जो आपके होटल, रेस्टोरेन्ट या पार्टी के आयोजन के खर्च का सिर्फ 50 वा हिस्सा है।

आप भी स्वयं व अपने प्रियजनों के जन्म दिवस को यादगार बनाने व आत्मसन्तुष्टि के लिए किताब के प्रथम प्रष्ठ पर दि गई जानकारी पर आज ही सम्पर्क करें।

धन्यवाद

निवेदक: रवीन शर्मा

(व्यवसायी व समाज सेवी)

संरक्षक

श्रीमान
बांके बिहारी जी शर्मा

श्रीमान
कैलाश जी अग्रवाल

श्रीमान
सुरेश जी पिलवाल

श्रीमान
ओम प्रकाश जी अग्रवाल

श्रीमान
करण जी शर्मा

श्रीमान
शंकर लाल जी अग्रवाल

श्रीमान नेमीचन्द जी जैन

श्रीमान बच्चु लाल जी सैनी

श्रीमान श्रवण जी जाँगिड़

श्रीमान जगदीश जी बागड़ा

श्रीमान अनिल जी जाँगिड़

श्रीमान पंकज खदरिया

श्रीमान मोहन लाल शर्मा

श्रीमान विरेन्द्र यादव

संस्था के भामाशाह

अजय कुमार गुप्ता
अमित हापावत
अनील गागोदिया
अशोक चंदलानी
बाबुलाल लखोटिया
बच्चु लाल सैनी
देवेन्द्र सिंह (बन्टी)
बारी चौधरी
चारू गुप्ता
चोथमल बंसल
दीपक कार डेकोर
धिरेन बच्चन
डा. मदन मोहन शर्मा
डा. सारिका शेखावत
द्रश्यम कारपोरेशन
एडमंड 'से स्कुल
गजानंद जाँगिड़
गरिमा भुटानी
गायत्री देवी
गोकुल प्रसाद
गोरव पारासर
गुलाब चन्द
गुलाब चन्द सोमानी
जयराम शर्मा
जीण माता प्लाईवुड
के आर महेश्वरी
कंचन कैसेटस् एण्ड सिरीज
कोमल राजवानी
कुलदीप भुटानी
मदन चौधरी
मधु खण्डेलवाल
महेन्द्र चौधरी
महिला मंडल अम्बावाडी (महिला मंडल
चमत्कारेशवर महादेव)
मनीष दागी
मनोज कुमार
मुकुट बिहारी चौहान
मुन्नी देवी बाघल
नाज टेन्ट हाउस
नरेश कुमार अग्रवाल
नीरज जी
नीतिन गोगीया
पी सी अग्रवाल
पदम चन्द जैन
पदम ढाका
पवन कुमार
पवन कुमार भार्गव
पूनम सिंह
राजेन्द्र कुमार शर्मा
राजेश दुग्गड
राजकुमार जाँगिड़
राकेश कुमार जैन
राम चन्द्रा जी
रामरतन मीणा
रणजीत नायक
ऋषभ
एस. सी बेटाला
एस. एल सोनी
स्मृति पल्टा
संदीप पारीक
संजीव सेंड़
संजु गुप्ता
संतोष राजोरिया
श्री पाल जैन
सुशील जैन
सुनील वर्मा
सुनील माथुर
सुरेन्द्र पारीक
तपश शर्मा
त्रिलोक पारीक
ऊर्वशी जी
वी. एम जैसवाल
वरूण शर्मा
विजय कुमार गुप्ता
विजय प्लास्टिक
विजय राज संकेलेचा
विमल अग्रवाल
विनोद रावत
विष्णु स्वरूप शर्मा
विवेक जाँगिड़
विश्वास जी
शिव कुमार शर्मा
पंजाब लठ हाउस
केशव ट्रेंडिंग कम्पनी
शंकर लालवानी
इन्द्रा अग्रवाल
सागर लालवानी
घनश्याम शर्मा
निहाल दागी
गणपती स्टील कॉरपोरेशन
शुषमा अग्रवाल
अशोक अग्रवाल
जय कुमार विशवानी
पप्पु चौधरी
जे एस ट्रेंडिंग
चन्द रतन दागा
परमानंद जाँगिड़
प्रखर अग्रवाल
केशव बेदी
बालाजी कंसट्रशन
अभय सिंघल
नीरमल लोदा
एस आर प्लाईवुड एण्ड स्टील
गोरीशंकर सोनी (जयपुर हॉर्डवेयर मशीनरी स्टोर)
अजय सिंह परिहार
अनिल शर्मा
शरद गुप्ता
नमोकार मंडल
अनुराग यादव
सुमित अग्रवाल
बाहुबली कॉक्रीट वर्क
शशी पाटीदार
जगदीश नारायण शर्मा
विनोद दालमिया
श्रीपाल जैन
मुरारीलाल सेठी
उषा शर्मा
वि.के. हरीत
देवेन्द्र कुमार
गौरव जाँगिड़
सुरज इन्डस्ट्रियल
गुलाब चन्द कोठारी
मनीष कपिल
संजय राका
राकेश कुमार जैन
कन्हैयाँलाल कट्टा
विनोद चावला
रवीन शर्मा
अभिषेक शर्मा
रामचन्द्र मेहर चंदानी
राम सिंह राठौड़
संजय टेक्सटाईल
मंजु पुगालीया
मिनाक्षी फाइबर इंडस्ट्रीज
पंडीत क्रेन सर्वीस
कविता गर्ग
निलकंठ पोलीमर
गजानंद देवेन्द्र एण्ड कंपनी
पी के गोयल
महेन्द्र दलीत
राज भारती फर्नीचर
सत्यनारायण अग्रवाल
जगदीश पालीवाल
श्रवण कुमार जाँगिड़
राजेन्द्र सिंह शेखावत
किसान सिंह
योगेश मेहता
सत्यनारायण अग्रवाल
बालकिशन जी
गणपती आभुषण भण्डार
सुरेन्द्र पारीक
अंकित पाठकर
रामरतन मीणा
अग्रवाल ट्रेडिंग कम्पनी
अंबिका इंडस्ट्रीज
अमित शर्मा
आंनद फूटवेयर
अनिल शर्मा
अंतली गुप्ता
बुद्धी प्रकाश जाँगिड़ (बिसनस्वरूप अन्नपुर्णा चैरिटेबल ट्रस्ट)
दामोदर जी अजमेरा
दीपक गुप्ता
धरम गर्ग
दिव्या वोहरा
दुर्गा ऐसोसिऐट
ऐशिया सिवीग मशीन
गजानंद जी अग्रवाल
गौरव दुग्गड़
घनश्याम शर्मा
हरीश कुमार जैन
हिमांशी अग्रवाल
इंडियन डायमंड टुल
जय भवानी कैरिंग सर्वीस
कैलाश नारायण जी अग्रवाल
किशन शर्राफ
किशन जैन
लक्ष्मी चन्द कोठारी
लॉयंस क्लब
महेश शोकिया
मोहित खण्डेलवाल
मुकेश कुमार सेनी
मुरारी मारासरीया
नन्दकिशोर जी
नरेश अग्रवाल
नीता गोयल
नविदा गुप्ता
पी.एस.जे. ज्वैलर्स
पुरणमल जी पारीक
पुरूषोतम कुमार शेखावत
पुष्पा पंचोरी
राहुल टंडन
राजेन्द्र विकास विशाल जैन
राजेश गोतम
राजेश कुमार सोढानी
एस मेकेनिकल्स
समीर सिंह
सतपाल शर्मा
सत्यनारायण अग्रवाल
सीमा जनेजा
श्रवण लाल जाँगिड़
शिवम जी
सुनील सोमानी
सुनिता मंगला
तन्नु ट्रेडर्स कम्पनी
तेज प्रकाश जैन
युनाईटेड ट्रांर्सफार्म
वल्लब माहिच जी
विजय कुमार गुप्ता
विजय सिंह
विनय गर्ग

स्वयंसेवक

आनंद तिवारी
आदित्य नाथावत
अजय चौधरी
अलताफ हुसैन
अमरचंद जाँगिड़
अमित जैन
अमित रॉय
अनील जैन
अंकुर जैन
अनुज खण्डेलवाल
आशीष जाँगिड़
अशोक जाँगिड़
अशोक सामोता
अशोक स्वामी
अविनाश चौधरी
भगवान जाँगिड़
वल्लभ अग्रवाल
भवानी सिंह शेखावत
ब्रजराज गोतम
चावणराम मीणा
दीपक शर्मा
दिपेश जाँगिड़
देवेन्द्र कुमावत
देवकी नंदन जाँगिड़
धनराज धाधीच
धर्मेंद्र जाँगिड़
दीलीप जाँगिड़
दिनेश जाँगिड़
दिनेश वर्मा
डा. मुकेश जाँगिड़
गयाप्रसाद जाँगिड़
घनश्याम महावर
गिरीराज शर्मा
गजानंद जाँगिड़
गौतम शर्मा
गोविन्द सिंह
गोवर्धन कुमावत
हिरालाल जाँगिड़
जहीर शेख
जितेन्द्र कटारीया
जितेन्द्र परीहार
जितेन्द्र शर्मा
जितेन्द्र विजय
कमलराज जाँगिड़
किशन पुरी
कुलदीप शर्मा
लोकेश जाँगिड़
मानव रंकावत
मनिष जैन
मनमोहन खण्डेलवाल
मनोज जाँगिड़
मनोज कुमावत
मोहित शर्मा
मोनु जाँगिड़
मुकेश ढाका
मुकेश जाँगिड़
मुकुट बिहारी जाँगिड़
मुलचंद कुमावत
नरेन्द्र कुमार शर्मा
नरेन्द्र शर्मा
नीरज जाँगिड़
नितीन जाँगिड़
पंकज सिनसिनबार
पप्पु चौधरी
पवन शर्मा
पिंटु मीणा
प्रदीप शर्मा
प्रदीप यादव
प्रमोद चौहान
पृथ्वी सिंह
पवन पुरी
आर. बैंकटेश
राहुल सिंह
राजेन्द्र जाँगिड़
राजेश जैन
राजकुमार शर्मा
राजकुमार वर्मा
राजपाल जाँगिड़
राजु कुमावत
राकेश शर्मा
रामअवतार जाँगिड़
रमेश सब्बल
रंगेश शर्मा
रंगपाल सिंह
रतन सिंह जाँगिड़
रावत जी
रमाकांत शर्मा
रोहित जैन
एस. एस राठोड़
शैलेन्द्र सिंह
सलीम खान
शंभु जी
संदिप सिंह शेखावत
संजय शर्मा
सतीश कटारीया
सत्यनारायण शर्मा
सिधार्थ जी
सुमित गोयल
सुरज चौपड़ा
उदय सिंह सैनी
वरूण शर्मा
विजय पंथ
विनोद जाँगिड़
विष्णु पुरी
योगेश जाँगिड़
युनुस खान

श्री श्री 1008
श्री चैतनदास जी महाराज
(यज्ञ सम्राट)
के पावन सानिध्य में

देवेन्द्र शर्मा (संस्थापक)

सन्तोष शर्मा
(अध्यक्ष)

मदन चौधरी
(सचिव)

सुरेन्द्र शर्मा
(कोषाध्यक्ष)

नरेन्द्र जोशी
(उपाध्यक्ष)

सुनिल जाँगिड
(उप सचिव)

रवीन शर्मा
(सामाजिक व सांस्कृतिक सचिव)

नितिन जाँगिड
प्रभारी (मंच)

पिंकी वर्मा
प्रभारी (कथा)

आशीष पारीक
प्रभारी (सूचना)

सत्यपाल ओझा
प्रभारी (बांगड़)

नरेन्द्र शर्मा
प्रभारी (निवाला)

अनिल जाँगिड
प्रभारी (सँवारे बचपन)

शंकर पारीक
प्रभारी (सफाई अभियान)

हरलाल सामोता
प्रभारी (नैत्र शिविर)

।। जय श्री कृष्णा ।।

पुष्पप्रद निवेदन अनुरोध

संस्थान के सभी, पुण्यशील एवं दानवीर भामाशाहों और करुण ह्रदय हितेषियों को सुचित करते हुए प्रसन्नता है की कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट स्मारिका में दि गयी योजनाओं के माध्यम से मानव सेवा में समर्पण के साथ एक कोशिश कर रहा है ट्रस्ट इन कोशिशों को आगे बढ़ाने में प्रयासरत है और ये तभी संभव है जब आप श्री भी आगे बढ़कर संस्थान का हाथ थाम लें।

ट्रस्ट परिवार से जुडने व सहयोग के लिए आप निचे दी गई जानकारी पर सम्पर्क करें।

Education *** Support *** Love *** Help *** Hope *** Care ***

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट

नई राह - नई दृष्टि..!, ज्ञान वही - वही सृष्टि..!!

सम्पर्क : 7231-8888-00/11/22/33

ई-मेल : info@kbctindia.org

वेब साईट : www.kbctindia.com

कृपया सहयोग करें

आपश्री निम्न तरीकों से अपना सहयोग दे सकते हैं।

नकद/चैक/ड्राफ्ट/RTGS/NEFT/CARD

A/C NAME	:	KAMLABAI CHARITABLE TRUST
A/C No.	:	50200020477561
RTGS/NEFT/IFSC	:	HDFC0000554

CARDS

VISA CARD	:	www.kbctindia.org
CREDIT CARD	:	www.kbctindia.org
DEBIT CARD	:	www.kbctindia.org

Paytm Accepted

or Enter Mobile Number 7231888811

Scan Paytm Code

निवेदन : कृपया अपना दान-सहयोग 'कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट' जयपुर के पक्ष में देय नकद/चैक/ड्राफ्ट/RTGS/NEFT/CARD/WALLET द्वारा किये गये भुगतान का विवरण संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें ताकि दान-सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया वृक्षारोपण

गाजे-बाजे से निकली कलश यात्रा

सफाई अभियान कर एक नया संदेश

सिन्धीकैम्प से हुई जयपुर स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत

...बाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा चिकित्सा शिविर का आयोजन

...ई भूखा न रहे और ... तक पहुंचे निवाला

भूखे को निवाला, बच्चे...

नि:शुल्क नेत्र शिविर का 200 लोगों ने उठाया लाभ

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा स्वच्छ भारत अभियान

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट व वार्ड नंबर 14 की टीम की ओर से आज संस्कार स्कूल लिंक रोड, सिरसी रोड पर महात्मा गाँधी जी के स्वच्छ भारत अभियान के तहत मिलकर सफाई कार्य

500 ने कराई आंखों की जां...

15 के होंगे ऑपरेशन

केंद्रीय बस स्टैंड सिन्धीकैम्प में कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया स्वच्छ भारत अभियान का प्रारम्भ

जयपुर : कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों को निरंतर गति देते हुए ट्रस्ट मण्डल ने वार्ड नं 14 के पार्षद श्री ...

पक्षियों के लिए बांधे परिंडे

सिटी रिपोर्टर • कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रविवार को विद्याधर नगर स्थित केशव पार्क में पक्षियों के लिए 'परिंडे अभियान' की शुरुआत की गई। सात दिन तक चलने वाले इस अभियान में विद्याधर नगर और शास्त्री नगर में परिंडे लगाए जाएंगे। ...

सीनियर सिटीजंस के लिए बनाई एप

चिकित्सा शिविर में 756 मरीज लाभान्वित

श्री ठा. सा. सुरेन्द्र सिंह जी

स्वर्गवास 02-02-2017

आपका जीवन, कठिन परिश्रम, मिलनसारिता एवं समाज के प्रति समर्पण की भावना हमारे लिए आदर्श एवं अनुकरणीय है, आपकी यादें हमारे दिल में सदैव बनी रहेगी।
'' निवाला'' परिवार अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

याद में
आपका परिवार

श्रीमती उषा देवी

स्वर्गवास 04-02-2016

आपको अश्रुरित नैनों से ''निवाला'' परिवार श्रृद्धांजलि अर्पित करते हैं।
आपकी पावन स्मृति व मधुर व्यवहार हमारे
लिये सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

याद में
आपका परिवार

पत्रिका सहयोगी

Arham's
A Brand of Quality Products Inks, Flex, Standy & All Kinds

H.No. 2448, Telipara, Chaura Rasta, Jaipur (Raj.)
Ph. : 9351116747, 9784101126, 9351555113
E-mail : sourabh_ink@yahoo.com

Commitment for Safety...

MILANPOWER®

IS:694
CM/L-8615885

MULTISTRAND CABLES

An ISO 9001 : 2000 CERTIFIED COMPANY

Website : www.milancables.com

Modular Box | Cooler Pump | Conduit Pipe | PVC Tape Roll

AGARWAL ELECTRO POWER PVT. LTD.

B-13, Bharat Apartment, New Colony, M.I. Road, Jaipur | Ph.: 0141-2379538, 0141-4003819

Pankaj
91-9460752565

Naresh
91-9413378925

JEEN MATA PLYWOODS

PLY | MICA | BOARD | ALUMINUM

L-2 Heera Nagar, Behind Karni Vihar Thana, 200 Ft. Byepass, Jaipur
E-mail : khadrianaresh@gmail.com

संगीतकार विश्व मोहन भट्ट

विश्व मोहन भट्ट : जन्म: 27 जुलाई, 1950

जन्म स्थान: जयपुर, राजस्थान, भारत

शैली: भारतीय क्लासिकल संगीत

विश्व मोहन भट्ट जी ग्रेमी अवॉर्ड जीतने वाले तीसरे भारतीय है। विश्व मोहन भट्ट जी जयपुर के रहने वाले है। विश्व मोहन भट्ट जी के पिताजी मनमोहन भट्ट और माताजी चन्द्रकला भट्ट संगीतकार थे। जिन्होंने अपनी संगीत की विद्या अपने पुत्र विश्व मोहन भट्ट जी को दिया। विश्व मोहन भट्ट भारतीय संगीत की प्रमुख हस्तियों में से एक है। ये मोहन वीणा के जनक है। इन्हें 2002 में पद्मश्री सम्मान ग्रेमी अवॉर्ड व 2012 में राजस्थान रत्न से नवाजा गया। वर्ष 2017 में इन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण से सम्मनित किया गया। विश्व मोहन भट्ट जी लम्बे समय तक श्री रविशंकर जी के शिष्य रहे। भट्ट संगीतकार मुगल सम्राट अकबर के दरबार के संगीतकार, तानसेन और उनके हिन्दू गुरू स्वामी हरिदास के प्रसिद्ध एक विशिष्ट समूह के अंतर्गत आते है।

संगीतकार विश्व मोहन जी के कुछ प्रसिद्ध संगीत मय रचनाएं:-

- A Meeting by the River feat. V.M. Bhatt cooder
- Bent Notes of the Bauls feat. Jerry Douglas / Edger Meyer
- Bourbon and Rosewater feat. Jeury Douglas / Edgar Meyer
- Carukesi feat. V.M. Bhaat / Jie Bing Chen / Bela Fleck
- Ganger Delta Blues feat. V.M. Bhaat / Ry Cooder

सँवारे बचपन

आप और हम मिलकर थाम लें देश की बेटियों का हाथ और सँवारे उनका बचपन

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट

नई राह - नई दृष्टि..! , ज्ञान वही - वही सृष्टि..!!

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ
प्रयास हमारा, सहयोग आपका